चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	20-11-25	2	7-8

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

PRESIDENT AWARDS AGRI VARSITY

Hisar: President Droupadi Murmu honoured Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) Vice-Chancellor Baldev Raj Kamboj at Vigyan Bhawan for the university's notable work in water conservation and management. The Ministry of Jal Shakti awarded HAU first prize under the "Best Institution (other than school/college)" category in the 6th National Water Awards 2024. Vice-Chancellor Kamboj said university scientists played a major role in encouraging farmers towards direct seeding of rice (DSR) and short-duration varieties during the Kharif season, resulting in large-scale water savings. Their efforts helped prevent around one lakh hectares from shifting from cotton to rice, significantly conserving groundwater.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.11.25	3	2-6

पीएम किसान सम्मान निधि से सुधरी किसानों की स्थिति

हकृवि में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट 2025 के तहत हुआ कार्यक्रम

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट -2025 के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किस्त के तहत 18 हजार करोड़ रुपए की सम्मान राशि का हस्तांतरण किया। इस योजना के तहत अब तक तीन लाख 90 हजार करोड रुपए से अधिक की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। उपरोक्त योजना के तहत हरियाणा प्रदेश के 15 लाख 81 हजार 908 किसानों के खातों में 316.38 करोड़ रुपए डाले गए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज। • पीआरओ

के एक लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ रुपए की धनराशि किसानों के खातों में डाली गई। कुलपति ने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन बहुत जरूरी है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, धन्यवाद प्रस्ताव मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने पारित किया। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र में डा. राकेश पुनिया ने सरसों की उन्नत खेती की जानकारी दी। डा. सतपाल ने रबी सीजन की चास फसलों के प्रबंधन की जानकारी दी। मंच का संचालन डा. भूपेन्द्र ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20-11-25	7	3-5

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हिसार जिले के 1 लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ की राशि खातों में डाली

पी.एम. किसान सम्मान निधि से किसानों को हो रहा है फायदाः कुलपति प्रो.काम्बोज

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज व कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण

हिसार, 19 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोयम्बटूर में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट -2025 के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किस्त के तहत 18 हजार करोड़ रुपए की सम्मान राशि का हस्तांतरण किया।इस योजना के तहत अब तक तीन लाख 90 हजार करोड रुपए से अधिक की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना के तहत हरियाणा प्रदेश के 15 लाख 81 हजार 908 किसानों के खातों में 316.38 करोड़ रुपए की धनराशि डाली गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हिसार जिले के 1 लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ रुपए की धनराशि किसानों के खातों में डाली गई। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र में डॉ राकेश पूनिया ने सरसों की उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी एवं डॉ सतपाल ने रबी सीजन की चारा फसलों के प्रबंधन की जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	20-11-25	12	2-5

सम्मान निधि से किसानों को हो रहा फायदा : वीसी

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट 2025 के तहत कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज व उपस्थित श्रोतागण।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट-2025 के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किस्त के तहत 18 हजार करोड़ रुपये की सम्मान राशि का हस्तांतरण किया। इस योजना के तहत हिसार जिले के 1 लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ रुपये की धनराशि किसानों के खातों में डाली गई। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को फायदा हो रहा है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने पारित किया। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र में डॉ. राकेश पूनिया ने सरसों की उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी एवं डॉ. सतपाल ने रबी सीजन की चारा फसलों के प्रबंधन की जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20-11.25	5	6-8

पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को हो रहा है फायदा : कुलपति प्रो. काम्बोज

हकृवि में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट 2025 के तहत कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 19 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट-2025 के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किस्त के तहत 18 हजार करोड़ रुपए की सम्मान राशि का हस्तांतरण किया। इस योजना के तहत अब तक तीन लाख 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना के तहत हरियाणा प्रदेश के 15 लाख 81 हजार 908 किसानों के खातों में 316.38 करोड़ रूपए की धनराशि डाली गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हिसार जिले के 1 लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ रूपए की धनराशि किसानों के खातों में डाली गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत एक वर्ष में छः हजार रुपए की धनराशि तीन किस्तों में प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को फायदा हो रहा है।

कुलपति ने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन बहुत जरूरी है। मृदा की ऊपरी सतह बहुत महत्वपूर्ण होती है। जीवाणु उर्वरा शक्ति को बरकरार रखने में अह्म भूमिका निभाते हैं। जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि एक एकड़ भूमि में एक फसल के दौरान छः लाख लीटर पानी का इस्तेमाल होता है। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	19.11.2025	--	--

पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को हो रहा है फायदाः कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट 2025 के तहत कार्यक्रम आयोजित

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट -2025 के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज, उनको सुनते कार्यक्रम मे उपस्थित श्रोतागण।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किस्त के तहत 18 हजार करोड़ रुपए की सम्मान राशि का हस्तांतरण किया। इस योजना के तहत अब तक तीन लाख 90 हजार करोड रुपए से अधिक की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना के तहत हरियाणा प्रदेश के 15 लाख 81 हजार 908 किसानों के खातों में 316.38 करोड़ रूपए की धनराशि डाली गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हिसार जिले के 1 लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ रूपए की धनराशि किसानों के खातों में डाली गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत एक वर्ष में छः हजार रुपए की धनराशि तीन किस्तों में प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को फायदा हो रहा है।

कुलपति ने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन बहुत जरूरी है। मृदा की ऊपरी सतह बहुत महत्वपूर्ण होती है। जीवाणु उर्वरा शक्ति को बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि एक एकड़ भूमि में एक फसल के दौरान छः लाख लीटर पानी का इस्तेमाल होता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की गई हैं जो कम पानी में अधिक पैदावार देती है। इसके साथ उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसानों के लिए ऐसी किस्में विकसित करें जो कम पानी में अधिक पैदावार दें।

उन्होंने किसानों एवं युवाओं से कहा कि वे कृषि कार्य के साथ-साथ उद्यमिता से जुड़?र अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। एबिक के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। एबिक द्वारा नए आइडिया के साथ उद्यमिता का कार्य शुरू करने वाले स्टार्टअप्स को 5 से 25 लाख रूपए तक की राशि प्रदान की जाती है। कुलपति ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ केंचुआ खाद, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन सहित सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20-11-25	5	2-5

हकृवि में गुरु तेग बहादुर के 350 वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित

गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कीर्तन सुनते श्रद्धालु

हिसार, 19 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी ऑडिटोरियम में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा गुरु तेग बहादुर जी की 350 वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि गुरुद्वारा साहिब हिसार से भाई कुलदीप मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र के उच्चारण एवं गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थों द्वारा कीर्तन से हुआ।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सिर्फ सिख समुदाय के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए एक अमर संदेश है। उनकी शहादत हमें साहस और भक्ति के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज 350 वर्ष के बाद भी उनका त्याग और बलिदान उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय पर था।

गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं हमें प्रकाश की तरह रास्ता दिखाती हैं। उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर हम समाज, देश और पूरी मानवता को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

भाई कुलदीप सिंह ने अपने सम्बोधन में गुरु तेग बहादुर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु तेग बहादुर के बचपन का नाम त्यागमल था। उन्होंने करतारपुर की लड़ाई में अपनी वीरता दिखाने के बाद अपने पिता, छठे गुरु, हरगोबिंद से 'तेग बहादुर' नाम प्राप्त किया। जिसका अर्थ है 'बहादुर तलवार'। वे सिखों के नौवें गुरु थे जिन्होंने दुनिया को सत्य, साहस, करुणा और ईश्वर भक्ति का मार्ग दिखाया। उन्होंने जीवन भर गरीबों और जरूरतमंद लोगों की मदद की, अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाई और मानवता को सर्वोपरि बताया। गुरु तेग बहादुर जी को हिंद की चादर इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब के धार्मिक उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होकर धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। मंच पर रजवंत कौर व हर्षदीप सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	20-11-25	12	5-8

गुरु तेग बहादुर का बलिदान अमर संदेश : प्रो. काम्बोज

■ गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कीर्तन सुनते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से गुरु तेग बहादुर जी की 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि गुरुद्वारा साहिब हिसार से भाई कुलदीप मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र के उच्चारण एवं गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थों द्वारा कीर्तन से हुआ। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सिर्फ सिख समुदाय के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए एक अमर संदेश है। उनकी शहादत हमें साहस और भक्ति के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। भाई कुलदीप सिंह ने अपने संबोधन में गुरु तेग बहादुर की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, छात्र कल्याण निदेशक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.11.25	2	2-3

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर कार्यक्रम

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी ऑडिटोरियम में छात्र कल्याण निदेशालय ने गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि गुरुद्वारा साहिब हिसार से कुलदीप मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र के उच्चारण एवं गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थों द्वारा कीर्तन से हुआ। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सिर्फ सिख समुदाय के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए एक अमर संदेश है। उनकी शहादत हमें साहस और भक्ति के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। कुलदीप सिंह ने अपने सम्बोधन में गुरु तेग बहादुर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु तेग बहादुर के बचपन का नाम त्यागमल था। उन्होंने करतारपुर की लड़ाई में अपनी वीरता दिखाने के बाद अपने पिता, छठे गुरु, हरगोबिंद से 'तेग बहादुर' नाम प्राप्त किया।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	19.11.2025	--	--

गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर हकृवि में कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी ऑडिटोरियम में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा गुरु तेग बहादुर जी की 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि गुरुद्वारा साहिब हिसार से भाई कुलदीप जी मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र के उच्चारण एवं गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थों द्वारा कीर्तन से हुआ।

प्रो काम्बोज ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सिर्फ सिख समुदाय के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए एक अमर संदेश है। उनकी शहादत हमें साहस और भक्ति के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं हमें प्रकाश की तरह रास्ता दिखाती हैं। उनकी शिक्षाएं हमें अलग-अलग धर्मों का सम्मान करने, मानवता के सिद्धांतों को अपनाने, निडर होकर सत्य की राह पर चलने और समाज में शांति, भाईचारे और सद्भावना को बनाए रखने की प्रेरणा देती हैं। उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर हम समाज, देश और पूरी मानवता को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच पर रजवंत कौर व हर्षदीप सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	19.11.2025	--	--

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में सेमिनार आयोजित

- कुलपति प्रो. काम्बोज बोले—गुरु जी का त्याग पूरी मानवता के लिए प्रकाशपुंज

हिसार, 19 नवंबर 2025 (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे, जबकि गुरुद्वारा साहिब हिसार से भाई कुलदीप जी मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत महामंत्र के उच्चारण और गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थों द्वारा मधुर कीर्तन से हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सिख समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए अमर संदेश है। उन्होंने कहा कि 350 वर्षों बाद भी गुरु जी का त्याग, निडरता और सत्य के प्रति उनकी अटूट आस्था उतनी ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा—"गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं हमें प्रकाश की तरह रास्ता दिखाती हैं। वे हमें हर धर्म का सम्मान करने, मानवता को सर्वोपरि मानने और निडर होकर सत्य के पथ पर चलने की प्रेरणा देती हैं।" कुलपति ने सभी विद्यार्थियों और उपस्थित जनों से आह्वान किया कि गुरु जी की शिक्षाओं को केवल पढ़ें नहीं, बल्कि जीवन में आत्मसात करें। कार्यक्रम के अंत में छात्र कल्याण निदेशक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। मंच पर रजवंत कौर, हर्षदीप सिंह सहित विश्वविद्यालय के कई अधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कीर्तन सुनते श्रद्धालु।

धर्म और मानवता के लिए प्राण न्योछावर किए: मुख्य वक्ता भाई कुलदीप जी ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गुरु जी का बचपन का नाम त्यागमल था। कुरुक्षेत्र की लड़ाई में अपने साहस के बाद उन्हें अपने पिता, छठे गुरु हरगोबिंद जी से 'तेग बहादुर' नाम प्राप्त हुआ—जिसका अर्थ है 'बहादुर तलवार'। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपनी पूरी जीवन यात्रा में सत्य, करुणा, सेवा और धर्म की रक्षा का संदेश दिया। भाई कुलदीप जी ने कहा— "गुरु तेग बहादुर जी को हिंद की चादर इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने औरंगजेब के धार्मिक अत्याचारों के खिलाफ खड़े होकर दूसरे धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यह इतिहास में दुर्लभ उदाहरण है कि एक धर्मगुरु ने दूसरे धर्म की सुरक्षा हेतु अपना बलिदान दिया।"

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	19.11.2025	--	--

हकृवि में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 20 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी ऑडिटोरियम में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा गुरु तेग बहादुर जी की 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि गुरुद्वारा साहिब हिसार से भाई कुलदीप जी मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र के उच्चारण एवं गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थों द्वारा कीर्तन से हुआ। कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सिर्फ सिख समुदाय के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए एक अमर संदेश है। उनकी शहादत हमें साहस और भक्ति के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज 350 वर्ष के बाद भी उनका त्याग और बलिदान उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय पर था। गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं हमें प्रकाश की तरह रास्ता दिखाती हैं।उन्होंने कहा कि हम सब का दायित्व बनता है कि हम गुरु जी की शिक्षाओं को केवल पढ़े नहीं बल्कि अपने जीवन में उतारें।

एक धर्मगुरु ने दूसरे धर्म के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए : भाई कुलदीप

भाई कुलदीप सिंह जी ने अपने सम्बोधन में गुरु तेग बहादुर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु तेग बहादुर के बचपन का नाम त्यागमल था। उन्होंने करतारपुर की लड़ाई में अपनी वीरता दिखाने के बाद अपने पिता, छठे गुरु, हरगोबिंद से 'तेग बहादुर' नाम प्राप्त किया। जिसका अर्थ है 'बहादुर तलवार'। वे सिखों के नौवें गुरु थे जिन्होंने दुनिया को सत्य, साहस, करुणा और ईश्वर भक्ति का मार्ग दिखाया।

उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर हम समाज, देश और पूरी मानवता को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं। छात्र कल्याण निदेशक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच पर रजवंत कौर व हर्षदीप सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।